सुने घरों में हुई चोरी की वारदात का पुलिस ने किया खुलासा

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 80 लाख रुपये से अधिक का मशरुका किया जप्त

बड़वाह। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खरगोन श्रीमति शकुन्तला रुहल के मार्गदर्शन में बड़वाह पुलिस टीम ने विगत दिनों सुने घरों में हुई चोरी की वारदातों का पर्दाफाश किया ।जबकि पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में भी सफलता हासिल की है ।उल्लेखनीय है कि 30 जनवरी 2026 को फरियादी अरुण निवासी विनोबा मार्ग बड़वाह ने थाना बड़वाह में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वे अपनी माताजी के इलाज हेतु बाहर गए थे ।इसी दौरान 26 जनवरी 2026 से 29 जनवरी 2026 के बीच उनके सूने मकान में अज्ञात चोर चोरी की घटना को अंजाम दे गए।

इस चोरी में 100-100 ग्राम के 03 सोने के बार (कुल 300 ग्राम), सोने का सिक्का, सोने की चूड़ियां, कंगन, अंगूठी आदि कुल लगभग 370 ग्राम सोना, 01-01 किलो के 05 चांदी के बार (कुल 05 किलो चांदी), एक लैपटॉप एवं कपड़े चोरी होना बताया गया । फरियादी की रिपोर्ट पर बड़वाह थाने पर अपराध क्रमांक 59/26 धारा 305(ए), 331(4) बी.एन.एस. का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।

इसी प्रकार 01. फरवरी 2026 की दरम्यानी रात को फरियादी खुशयाल निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी बड़वाह ने भी रिपोर्ट दर्ज कराई, कि उनकी बिल्डिंग मटेरियल की दुकान से अज्ञात बदमाश द्वारा पीछे के दरवाजे का ताला तोड़कर काउंटर से लगभग 30 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए है ।

फरियादी की रिपोर्ट पर बड़वाह थाने पर अपराध क्रमांक 68/2026 धारा 305(ए), 331(4) बी.एन.एस. का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

सीसीटीवी कैमरे की मदद से चोरी का हुआ खुलासा

बड़वाह शहर में चोरी की वारदातों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक खरगोन रविन्द्र वर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खरगोन श्रीमती शकुन्तला रुहल व एसडीओपी खरगोन श्रीमति अर्चना रावत के मार्गदर्शन व थाना प्रभारी बलराम सिंह राठौर के नेतृत्व में थाना बड़वाह से पुलिस टीम का को मौके पर रवाना किया गया । जिसके बाद घटना स्थल व आसपास के क्षेत्र व सभी संभावित रास्तों के सीसीटीवी कैमरे के फुटेजो का संकलन किया गया । जिनका बारीकी से अवलोकन किया गया ।वही मुखबिरों को भी सक्रिय कर घटना से जुड़ी जानकारी देने के लिए लगाया गया ।

पुलिस टीम ने उक्त चोरी के मामले में आसपास के लोगों से चर्चा कर सीसीटीवी कैमरे में दिखने वाले सभी संदिग्धों को चिन्हित किया गया ।जिनके संबंध में जानकारी जुटाई गई । परिणाम स्वरूप पुलिस टीम को एक मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि सीसीटीवी कैमरों में दिखाई देने वाल संदिग्ध व्यक्ति का हुलिया उम्र 16 वर्ष, निवासी गोदी पट्टी, बड़वाह से मेल खाता है ।

मुखबिर द्वारा बताए हुलिए के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल 16 वर्षीय नाबालिक की तलाश प्रारंभ की एवं उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी । तलाश के दौरान सूचना प्राप्त हुई कि संदिग्ध नाबालिक अपने मोहल्ले में अपने घर के पास खड़ा है । उक्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर घेराबंदी की गई ।

पुलिस टीम को देखकर संदिग्ध ने भागने का प्रयास किया, जिसे पुलिस टीम ने तत्परता से पकड़कर अभिरक्षा में लिया ।जिसके बाद उससे मनोवैज्ञानिक व बारीकी से पूछताछ करने पर उन्होंने उक्त चोरी को अपने साथी हर्ष व दीपेश के साथ मिलकर कारित करना स्वीकार किया ।

पुलिस टीम द्वारा आरोपी 01 विधि विरुद्ध बालक हर्ष व दीपेश की निशानदेही पर उक्त दोनों चोरियों में गया लगभग सम्पूर्ण मशरुका को नियमानुसार विधिवत जप्त कर गिरफ्तारशुदा आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

पुलिस ने जप्तशुदा किया मशरुका

पुलिस ने इस प्रकरण में 100 - 100 ग्राम के 03 सोने के बार (कुल 300 ग्राम), सोने का सिक्का, सोने की चूड़ियां, कंगन, अंगूठी, 01-01 किलो के 05 चांदी के बार (कुल 05 किलो चांदी), नगदी 28,550/- रुपये एवं घटना में प्रयुक्त स्कुटी कीमती लगभग 50 हजार रुपये कुल मशरुका कीमती लगभग 90 लाख रुपये का जप्त किया।

जबकि इस चोरी से जुड़े आरोपी विधि विरुद्ध बालक (मुख्य आरोपी) हर्ष पिता जानकी लाल प्रजापति उम्र 22 साल निवासी कुम्हार मोहल्ला बडवाह,पेश उर्फ दिव्यांश पिता किशोर प्रजापति उम्र 19 साल निवासी कुम्हार मोहल्ला बडवाह को हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार आरोपी के पूर्व में भी बड़वाह थाने पर आपराधिक रिकार्ड दर्ज है।

मनरेगा का नाम परिवर्तन के खिलाफ झाबुआ में सियासी संग्राम..!

कांग्रेस की प्रदेश महासचिव श्वेता मोहनिया ने छेड़ा मनरेगा बचाओ आंदोलन

झाबुआ। केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का नाम बदलकर जी राम जी रोजगार कार्यक्रम लागू किए जाने के कदम का झाबुआ जिले में कांग्रेस ने जबरदस्त और अनोखे अंदाज़ में विरोध शुरू कर दिया है। इस आंदोलन की अगुवाई कर रही हैं मध्य प्रदेश कांग्रेस की महिला महासचिव श्वेता मोहनिया,जिनके नेतृत्व में गांव-गांव जागरूकता की अलख जलाई जा रही है।

श्वेता मोहनिया के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की टोलियां घर-घर पहुंचकर ग्रामीण मजदूरों को उनके अधिकारों की जानकारी दे रही हैं वहीं चौपाल बैठकों में पारंपरिक भिली लोकगीतों और गीत-संगीत के माध्यम से आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। आदिवासी महिलाओं की टोली जब भिली बोली में जागरूकता गीत गाती है,तो पूरा माहौल जोश और उत्साह से भर उठता है। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण हिस्सा ले रहे हैं।

गांव-गांव में गूंजा मनरेगा बचाओ का नारा...

श्वेता मोहनिया ने बताया कि झाबुआ विकासखंड की ग्राम पंचायतें फुलढावाड़ी,मोहड़ी डूंगरी और भोयरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चौपाल लगाकर मजदूरों को बताया कि यूपीए सरकार द्वारा दिया गया काम का अधिकार मौजूदा कदमों से कमजोर किया जा रहा है। ग्रामीणों को समझाया जा रहा है कि नए प्रावधानों से सरकार की रोजगार उपलब्ध कराने की बाध्यता पर सवाल खड़े होते हैं, जिससे मजदूरों के भविष्य पर संकट मंडरा सकता है। भिली लोकधुनों पर बनाए गए गीतों ने आंदोलन को लोक-आंदोलन का रूप दे दिया है। ग्रामीण बड़ी संख्या में बैठकों में शामिल होकर अपने अधिकारों को लेकर सवाल उठा रहे हैं और मनरेगा बचाओ अभियान से जुड़ रहे हैं। प्रदेश महासचिव श्वेता मोहनिया ने कहा कि यह सिर्फ नाम बदलने का मामला नहीं बल्कि करोड़ों मजदूरों के अधिकारों से जुड़ा सवाल है। हमारा आंदोलन जिले की हर ग्राम पंचायत तक पहुंचेगा झाबुआ में अब यह आंदोलन सियासी नहीं बल्कि जन-अधिकारों की लड़ाई बनता जा रहा है जहां चौपाल से लेकर गीतों तक हर स्वर में गूंज रहा है मनरेगा बचाओ मजदूरों का हक बचाओ..! आने वाले दिनों में जिले के हर गांव गांव और फलिये में जाकर लोगों को जागरूक करेगा।

उड़ता पंजाब की तरह नशा और ड्रग्स का अड्डा बन चुका है उड़ता बड़वाह

माँ नर्मदा के आँचल में बसे बड़वाह में नशे पर अंकुश आवश्यक,ताकि युवा पीढ़ी बर्बाद ना हो

बड़वाह- मां नर्मदा के आंचल मे बसा बड़वाह चूना उद्योग और चिवड़े के लिए एक समय मे पूरे देश मे विख्यात था। परंतु उद्योग खत्म होने से यहां का कम आयु वाले युवा 24 घंटे जहरीली शराब, चरस, गांजा, थिनर, पाउडर आदि नशे मे अब धुत रहते है। वही क्षेत्र मे मादक पदार्थो ने पैर पसार लिए है। मादक पदार्थो का गढ़ बन चुका है। और यहां की युवा पीढ़ी के संस्कारों पर नशे का ग्रहण लग चुका है। उड़ता पंजाब की तरह गली-मोहल्लों और ब्राउन शुगर पाउडर की खेप बड़वाह मे उतरने लगी है। जो अखबार की सुर्खियों मे बना रहता है। बीते दिनों खंडवा की कोतवाली पुलिस ने ब्राउन शुगर का खुलासा किया था। जिसमें बड़वाह का एक सौदागर का भी खुलासा किया गया था। नशे का नेटवर्क इंदौर महानगर से बड़वाह से जुड़ा हुआ है। ऐसे मे कड़ी कार्रवाई ना होने के कारण प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े करता है। ऐसा कोई इलाका नही जहां लोगो को नशे की खुराक उपलब्ध न हो रही हो। कभी-कभार नशे पर एक दो सौदागर पकड़े भी जाते है पर उससे न नशे की खेप की आवक बंद होती है और न ही नशे का बाजार खत्म होता है। वही आज से पहले लगभग 30 से 40 वर्ष पहले तक चंद लोग जहां चोरी छुपे वनक्षेत्र मे महुए से कच्ची शराब बनाकर बेचने का काम करते थे। जो धीरे-धीरे शहर की प्रत्येक गली-मोहल्लों तक पहुंचकर बड़वाह के प्रमुख व्यापार मे तब्दील हो चुका है। वही महंगे मादक पदार्थो के सौदागर अब बड़े शहरों के साथ-साथ छोटे-छोटे गांवो की ओर एवं कस्बों को अपनी चपेट मे लेते हुए नजर आ रहे है। बड़वाह के रसूखदार वर्ग के बच्चों को नशे की लत लगाने के बाद अब इसके कारोबार को कस्बों और गांवों की ओर फैलाने का जाल बुने जाने लगा है। बड़वाह अब ब्राउन शुगर का अड्डा बनते जा रहा है। ऐसे मे कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता है। इन सबका प्रभाव साफ नजर आ रहा है। लूटपाट, मारपीट, चोरी जैसी कई अपराधों का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। समय रहते अंकुश नही लगाया गया तो आने वाले समय युवा पीढ़ी नाम का कोई चीज क्षेत्र मे नही बचेगा। इससे समाज के साथ पूरे देश को नुकसान होगा। शहर मे जहां-तहां लोगो एवं युवाओं को सहज ही नशे करते हुए देखा जा सकता है। इसके अलावा गांजे के व्यापार ने बड़वाह मे अपने पैर पसारे हुए। अब सिगरेट से तबाकूं निकालकर भरकर मिलने लगा है। युवा पीढ़ी को पूरी तरह खोखला कर दिया और कई घर बर्बाद हो गए है। कई जगहों पर लोगो गली-मोहल्लों मे कच्ची शराब पीते हुए देखे जा सकते है। बिकने वाले नशीले पदार्थो को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन और समाज को कड़ी कमर कसनी होगी। तबी वर्तमान युवा पीढ़ी को मादक पदार्थो की चपेट मे है वही शहर की बिगड़ी फिजा को एवं युवा जिदंगी को पटरी पर लाने के लिए पुलिस प्रशासन के सहित समाज के हर व्यक्ति को नशे के खिलाफ जागरूक करना होगा। नशे के खिलाफ अभियान पोस्टरो पर नही मैदान पर चलाकर बड़वाह शहर को नशा मुक्ति की ओर कठोर से कठोर कदम उठाने चाहिए। ताकि आने वाली युवा पीढ़ी पर नशे का जरा से भी प्रभाव ना पड़े।

नशे के सशक्त खिलाफ है, हम किसी को छोड़ने वाले नही है...नशा एक बहुत ही भयंकर गंदगी है, जो की दिन-प्रति समाज मे धुए की तरह फैलती जा रही है। नशे के कारण प्रतिदिन अमानवीय कृत्य हो रहे है। युवा पीढ़ी नशे की ओर जाने लगी है। कई घर बर्बाद हो गए है। नशे के खिलाफ सशक्त कदम उठाये जायेगे। बड़वाह शहर सहित आसपास के इलाकें जो नशे की गिरप्त मे आ चुके है। जो नशा लाकर युवा पीढ़ी को बर्बाद कर रहै है। हम उसको छोड़ेंगे नही। उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई करवायी जायेगी। वो कोई भी हो,,प्रशासन को नशे के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए निर्देश दिए जायेगे।

सचिन बिरला, विधायक बड़वाह

नशे पर अंकुश लगाना आवश्यक-पहले तो अपने स्तर पर नशे का बहिष्कार करना होगा, ताकि भावी पीढ़ी को नशे से दूर रखा जा सके। समाज का नैतिक कर्तव्य है कि अच्छे संस्कारों को अपनाए। नौजवान नशीले पदार्थो का सेवन कर आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। लेकिन नशे के कारोबार को नहीं रोका जा रहा हैं। नशे का बढ़ता प्रचलन समाज के लिए चिंता का विषय बना हुआ है! पुलिस को नशे के सौदागरों की धरपकड़ के लिए विशेष मुहिम चलानी चाहिए। अगर कोई अवैध कारोबारी पकड़ा जाता है तो इस बात का पता लगाना चाहिए कि आखिरकार पकड़े गए व्यक्ति के पास नशीले पदार्थ कहां से आ रहे हैं।

प्रवीण शर्मा,
ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, बड़वाह

केचुओं की संख्या बढेगी....खाद तेजी से बनने के साथ साथ पौषक तत्वों से भरपूर होगा-डॉ.वीके.सिंह

5 दिवसिय प्रशिक्षण का आयोजन

झाबुआ। कृषि विज्ञान केन्द्र, झाबुआ अन्तर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वितपोषित व अटारी जबलपुर द्वारा संचालित परियोजना अन्तर्गत 5 दिवसीय 29 जनवरी से 2 फरवरी तक केंचुआ खाद उत्पादन वैज्ञानिक विधि विषय पर 50 चयनित नवयुवको को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.डीएस. तोमर, उप संचालक कृषि नगीन रावत, ईफको से संदीप राजपुत, केन्द्र के आर्या परियोजना प्रभारी डॉ. वीके. सिंह, डॉ.आरके.त्रिपाठी, अनिल शर्मा, हिमांशु घोटकर, चन्द्रशेखर लोखण्डे, कृषि स्नातक बापु हिहोर केन्द्र पर कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान डॉ.वीके.सिंह द्वारा बताया गया कि केचुआ खाद उत्पादन में विशेष रूप से खाद बनते समय नमी का ध्यान रखना आवश्यक है। तभी केचुओं की संख्या बढेगी व खाद तेजी से बनने के साथ साथ पौषक तत्वों से भरपूर होगा। जिसका उपयोग फसल उत्पादन व मृदा स्वास्थ्य में लाभकारी होगा। डॉ. डीएस.तोमर द्वारा केचुओं कि जातियों व उनके कार्य करने के तरीकों के बारे में विस्तार से बताया गया। उप संचालक कृषि नगीन रावत द्वारा जिले में किसानों द्वारा अपनाये जाने वाली पद्धति बेड व गड्ढा दोनो विधियों के बारे में तुलनात्मक उत्पादन को विस्तार से बताया। डॉ.आर.के. त्रिपाठी द्वारा बताया गया कि खाद बनाने में केचुओं के लिए मौसम कि अनुकुलता आवश्यक है।

अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव के पांचवे दिन प्रभु जन्मे, मंगल गीत गुन्जे

नागदा जं. निप्र। भज् अयोध्या नगरी में बधाई की नगरी में ऋषभ जन्मे है....., झुलो - झुलो ऋषभ देव प्रभु म्हारा आंगनिया में झुलो जैसे भजनों से गुन्जाए मान होता हुई अयोध्या नगरी, मंत्र उच्चारण करते हुए आचार्यश्री, हाथों में चावल लिए प्रभु वधाते हुए श्रद्धालू। यह नजारा था मनोहर वाटिका स्थिति सिद्धाचलपुरम् जिनालय अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव के पांचवे दिन मंगलवार सुबह 10 बजे ऋषभदेव प्रभु के जन्म कल्याणक महोत्सव का। आचार्यश्री नयचन्द्रसागर सूरीश्वरजी आदि साधू मंडल एवं साध्वीश्री हेमप्रज्ञाश्रीजी आदि साध्वीमंडल की निश्रा में आयोजित सिद्धाचलपुरम् जिनालय में अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव के पांचवे दिन मंगलवार को जन्म कल्याणक महोत्सव की शुरूआत आचार्यश्री के मंगलाचरण से हुई। जैसे ही आचार्यश्री ने ऋषभदेव प्रभु के जन्म कल्याणक मंत्र उच्चारण करने के उपरांत जयकारों बोला उपस्थित श्रद्धालू खुशी से झुम उठे। जन्म कल्याणक के उपरांत छप्पन दिपकुमारीयों ने शुद्धिविधान करवाया। वहीं इन्द्र महाराजा ने मेरू पर्वत पर ले जाकर प्रभु का पंचामृत से अभिषेक करवाया। जन्मकल्याणक महोत्सव का विधान चेन्नई से आए विधिकारक सत्यविजयजी एवं प्रसन्नविजयजी ने करवाया।

पेटलावद क्षेत्र में बदला मौसम....

ओलावृष्टि से तबाही... बोलासा गांव की पूरी फसल नष्ट, किसानों ने कलेक्टर से मांगी राहत

झाबुआ। जिले के पेटलावद तहसील के रायपुरिया, वेरवेट,बोलासा,सारंगी क्षेत्रों सहित अंतर्गत आने वाले ग्रामो तेज आंधी हवा उल्लू के साथ बारिश से फसलों में भारी नुकसान पहुंचा इस दौरान पंचायत बोलासा में 2 फरवरी की शाम अचानक आई तेज आंधी, बारिश और भीषण ओलावृष्टि ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया।

शाम करीब 6 बजे शुरू हुई इस प्राकृतिक आपदा में गांव की अधिकांश कृषि भूमि पर खड़ी फसलें पूरी तरह नष्ट हो गईं।

खेतों में खड़ी गेहूं, चना, तरबूज, लहसुन सहित अन्य फसलें जमीन से मिल गईं...

पेटलावद क्षेत्र के रायपुरिया, बोलासा, रामनगर, बनी और बरवेट सहित आसपास के क्षेत्रों में सोमवार शाम को मौसम अचानक बदल गया। आसमान में काले बादल छा गए और गरज-चमक के साथ तेज बारिश शुरू हो गई। यह बेमौसम बारिश करीब 10 से 30 मिनट तक चली, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ।

किसानों के अनुसार ओलावृष्टि इतनी तीव्र थी कि खेतों में खड़ी गेहूं, चना, तरबूज, लहसुन सहित अन्य फसलें जमीन से मिल गईं। कई स्थानों पर फसल उखड़कर बह गई, जिससे उत्पादन शून्य रह गया। किसानों का कहना है कि इस मौसम में फसल ही उनकी आजीविका का एकमात्र साधन थी, लेकिन एक ही झटके में सब कुछ खत्म हो गया।

भारी नुकसान की आशंका.?

विशेष रूप से बरवेट और उसके आसपास के इलाकों में भारी ओलावृष्टि हुई। लगभग 15 मिनट तक लगातार ओले गिरे, जिससे सड़कें और खेत ओलों से पट गए। इस अचानक हुए मौसम परिवर्तन से किसानों को भारी नुकसान की आशंका है। बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण गेहूं, चना और हाइब्रिड फसलों को भारी क्षति होने की संभावना जताई जा रही है। मेहनत पर पानी फिरा

कर्ज में डूबे किसान, परिवार के भरण-पोषण की चिंता..

ग्रामीणों ने बताया कि फसल बोने के लिए बीज, खाद, दवा और सिंचाई पर हजारों रुपये खर्च किए गए थे।

अब फसल नष्ट होने से किसान कर्ज चुकाने और परिवार का पालन-पोषण करने में असमर्थ हो गए हैं। कई किसान साहूकारों और बैंकों से लिया गया ऋण लौटाने को लेकर गंभीर चिंता में हैं।

कलेक्टर को सौंपा आवेदन, सर्वे और मुआवजे की मांग...

इस गंभीर स्थिति को देखते हुए समस्त ग्रामवासी एवं ग्राम पंचायत बोलासा द्वारा झाबुआ कलेक्टर नेहा मीणा को लिखित आवेदन सौंपा गया है।

आवेदन में मांग की गई है कि प्रभावित क्षेत्र का तत्काल सर्वे कराया जाए,फसल नुकसान का उचित मुआवजा प्रदान किया जाए,किसानों को आपदा राहत राशि एवं अन्य सरकारी सहायता योजनाओं का लाभ दिलाया जाए।

प्रशासन से शीघ्र राहत की उम्मीद..

ग्रामीणों को उम्मीद है कि जिला प्रशासन मामले की गंभीरता को समझते हुए जल्द से जल्द सर्वे कराकर राहत प्रदान करेगा। किसानों का कहना है कि यदि समय पर सहायता नहीं मिली तो उनके सामने भुखमरी जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है।